

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

“बड़ा डेटा लीक : भारतीयों के लाखों बैंक ट्रांसफर डॉक्यूमेंट्स इंटरनेट पर खुले, साइबर सुरक्षा में बड़ी चूक”

Publisher

Published on 26 Sep 2025



सितंबर 2025 में एक बड़े डेटा लीक की घटना सामने आई है, जिसमें भारतीयों के लाखों बैंक ट्रांसफर डॉक्यूमेंट्स इंटरनेट पर खुले छोड़ दिए गए थे। इस लीक को साइबर सुरक्षा फर्म 'अपगार्ड' ने अगस्त के अंत में खोजा था। रिपोर्ट के अनुसार, इस लीक में 38 बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से जुड़े संवेदनशील दस्तावेज शामिल थे।

लीक का विवरण

रिपोर्ट के अनुसार, इन दस्तावेजों में बैंक ट्रांसफर की जानकारी, खाता विवरण, ट्रांजेक्शन आईडी, और अन्य संवेदनशील डेटा शामिल थे। यह डेटा इंटरनेट पर बिना किसी सुरक्षा के खुले पड़े थे, जिससे उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी खतरे में आ गई।

सुरक्षा एजेंसियों की प्रतिक्रिया

इस लीक के बारे में संबंधित एजेंसियों को जानकारी दी गई थी, लेकिन सितंबर की शुरुआत तक इन दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए थे। अंततः 'कंप्यूटर इमरजेंसी रिसपॉन्स टीम' (CERT-In) को सूचित किया गया, जिसके बाद डेटा को सुरक्षित किया गया। हालांकि, इस मामले में अभी तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

प्रभावित संस्थाएँ

लीक में शामिल 38 बैंकों और वित्तीय संस्थाओं में प्रमुख भारतीय बैंक जैसे भारतीय स्टेट बैंक (SBI), ए.वाई.ई. फाइनेंस, और अन्य शामिल हैं। इन संस्थाओं के ग्राहकों की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी इस लीक के कारण खतरे में आ गई है।

साइबर सुरक्षा की कमजोरियाँ

इस घटना ने भारतीय बैंकों की साइबर सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर किया है। एक अध्ययन में पाया गया था कि कई भारतीय बैंकों की वेबसाइटें नवीनतम साइबर सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करती हैं, जिससे वे ज्ञात हमलों के प्रति संवेदनशील हैं।

विशेषज्ञों की राय

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के डेटा लीक से उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी चोरी हो सकती है, जिससे वित्तीय धोखाधड़ी और पहचान की चोरी जैसी घटनाएँ हो सकती हैं। वे उपयोगकर्ताओं को सलाह देते हैं कि वे अपनी बैंकिंग गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित बैंक को दें।

सुरक्षा उपाय

इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए, उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए:

- अपने बैंक खाते की जानकारी को गोपनीय रखें।
- संदिग्ध ईमेल या संदेशों पर क्लिक करने से बचें।
- अपने बैंक खाते की नियमित रूप से निगरानी करें।
- सुरक्षित और अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करें।
- किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित बैंक को दें।

यह घटना भारतीय बैंकों की साइबर सुरक्षा की गंभीर स्थिति को दर्शाती है। उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बैंकों को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही, उपयोगकर्ताओं को भी अपनी जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.